



मित्रता सेवा सुरक्षा

नववर्ष पर समस्त उत्तराखण्ड पुलिस कर्मियों के लिये संदेश

पुलिस का काम समाज को सुरक्षा प्रदान करना है। प्रत्येक व्यक्ति की जान-माल की सुरक्षा तथा उसके मूल मानवाधिकारों की हिफाजत पुलिस का मिशन है। इस लक्ष्य की ओर बढ़ने के उपाय हैं— पीड़ितों की दरखास्त/पुकार पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही(Response) करना, अपराध एवं अव्यवस्था(Disorder) के कारणों का अध्ययन करके उनकी रोकथाम करना, अपराधियों का पता लगाकर कानूनी कार्यवाही करना तथा लोगों के आवागमन, जनसभाओं, मेलों आदि में व्यवस्था स्थापित करना। परन्तु साथ ही यह भी ध्यान रखना है कि इन उपायों को कार्यरूप देते समय हम स्वयं भी लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान करें तथा गिरफ्तारी, तलाशी तथा अन्य बल प्रयोग की कार्यवाही में कोई गैरकानूनी काम न करें। बल प्रयोग का अधिकार केवल पुलिस को दिया गया है, इसलिये इसका प्रयोग अत्यन्त सावधानी से अंतिम उपाय के रूप में किया जाना चाहिए।

अपराधों का खुलासा करके अपराधियों को दण्डित कराना पुलिस का एक महत्वपूर्ण दायित्व है, परन्तु इस दायित्व का निर्वहन करने में मानवाधिकारों का सम्मान बनाये रखना पुलिस की और भी अधिक जिम्मेदारी है—क्योंकि अपराधों का खुलासा कर पाना सदैव सम्भव हो ऐसा नहीं है, जबकि अपनी कार्यप्रणाली में मानव गरिमा (Human Dignity)का ध्यान रखना पुलिस के हाथ में है। गंभीर अपराधों के होने पर स्थानीय लोगों का पुलिस पर अत्यधिक दबाव रहता है कि किसी भी वैध या अवैध तरीके से अपराधियों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाये, और अकसर इसी दबाव के चलते गलत हिरासत, हिरासत में उत्पीड़न आदि की घटनायें होती हैं। पुलिसजन का दायित्व है कि वे जनता को इस तथ्य से अवगत करायें कि अनेक बार अपराधों का खुलासा नहीं हो पाता है, और यह भी कि अपराधियों का पता लगाने के लिये भी मानवाधिकार हनन एक सभ्य समाज में अस्वीकार्य है।

वर्ष 2011 (तथा भविष्य में आने वाले सभी वर्ष) आपके व आपके परिवार के लिये सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि लाये, ताकि आप जनता को सुरक्षित रख सकें।

इन शुभकामनाओं के साथ,

पुलिस महानिदेशक

उत्तराखण्ड